News Coverage

BRLF

हरिभूमि

जबलपुर - कटनी भूमि

4 July 2020

वन व राजस्व विभाग के बीच पिस रहे मजदूर किसान

बनवार। मानव जीवन विकास समिति भारत रूरल लाइवलीहुड फ उंडेशन भारत सरकार के सहयोग से ब्लॉक जबेरा की सिंग्रामपुर, चौरई, कलूमर, सगरा, रीछई के ग्रामो में कोरोना महामारी एवं सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी जन जागरुकता अभियान के मध्य से जन जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। वन अधिकार कानून, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना किसान सम्मान योजनाओं के संबंध में विमला नामदेव ने बताया कि सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। ग्राम पंचायतों के माध्यम से लेकिन लोगो तक जानकारी नहीं पहुंच रही है। जैसे वन भूमि पहाड चट्टान जो वन विभाग की भूमि है लेकिन राजस्व विभाग अपनी बता कर लोगों का जुर्माना कर रहे हैं जबकि वन विभाग की वन भूमि का जुर्माना (अर्थदण्ड) वन विभाग लेगा और राजस्व विभाग की राजस्व भूमि का जुर्माना (अर्थदंड) राजस्व विभाग लेगा लेकिन दोनों विभागों के बीच मजदूर किसान पिस रहे हैं,जो नियम विरूद्ध है।

समूह की महिलाओं ने बनाई जैविक खाद

तेंदूखेड़ा। नईदुनिया न्यूज

ब्लाक के सेहरी गांव की एक स्वसहायता समूह की महिलाओ ने जैविक खाद्य और गौमूत्र से खेती के लिए जैविक दवाई तैयार की है। यह कार्य उन्होंने मानव जीवन विकास समिति के सहयोग से किया है। अब इसी खाद और रासायनिक दवाई से वह अपनी बंजर भूमि को हरा भरा करेंगी। जिस कीटनाशक दवाई को महिलाओं ने तैयार किया है उसकी जानकारी मानव विकास समति के माध्यम से मिली है। महिलाओं ने जैविक खाद तैयार करने और कीटनाशक दवाई बनाने के लिये उन्होंने जैविक खेती पोर्टल की भी मदद ली है। यूरिया और डीएपी की जगह गोबर की खाद के साथ गौमूत्र से तैयार दवाई को ही अपने खेतों में छिड़काव करेगी।

घनश्याम रैकवार ने बताया कि दमोह मानव जीवन विकास समिति भारत रूरल लाइवलीहुड फाउंडेशन के सहयोग से आजीविका खड़ी करने के लिए ग्राम सेहरी की स्व सहायता समूह महिलाओं ने गौमूत्र से जैविक खाद, दवाइयों के साथ गोमूत्र की बिक्री भी करेगी जिससे आय बढ़े और आर्थिक स्थिति मजबूत हो। बैठक में चंदाबाई, शांति बाई, उमारानी, अर्चना, शोभा रानी, लक्ष्मी रानी, सीमा रानी, राधाबाई, अंजनी, दसोदा, अनीतारानी, मिलन धुर्वे ने भाग लिया।

किसानों को बताए जा रहे आधुनिक खेती के तरीके

तेंदूखेड़ा। मानव जीवन विकास समिति के द्वारा जनपद की कई ग्राम पंचायतों में किसानों को आधुनिक खेती के तरीके बताए जा रहे है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अपनी आजीविका चला सकें। ग्राम पंचायत सेहरी आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है जो कल तक विकास की मुख्य धारा से हटकर था। यहां के लोग अपनी जीविकोपार्जन के लिए पूरी तरह से वनों पर निर्भर थे। अब यही लोग वन भूमि हक प्रमाण पत्र पाकर कृषि आधारित आजीविका से जुडकर आत्म निर्भर बन रहे है।

भूमि आधारित रचनात्मक कृषि स्वरोजगार से जोड़ने में मानव जीवन विकास समिति भारत रुरल लाइवलीहुड फाऊडेंसन ब्लॉक समन्वयक घनश्याम प्रसाद रैकवार इस कार्य में अहम भूमिका निभा रहे है। वनवासी क्षेत्र के लोगों को प्रेरित कर के आजीविका से जोड़ने केलिए वर्षों से प्रयासरत है। सरकारी योजनाओ से महिलाओं को कर्ज दिलकलाकर गांव में ही जैविक खाद, दवाईयों को बनाने का प्रयास किया जा रहा है जो बाजार में भी उपलब्ध होने प्रयास जारी है।

रोजगार से जोड़ने ग्रामीणों को दी गई निशुल्क बकरियां

तेंदूखेड़ा। मानव जीवन विकास समिति द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में काफी अच्छे कार्य कि ए जा रहे हैं। लॉकडाउन के समय उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में निशुल्क भोजन व अन्य सामग्री का वितरण किया इसके बाद कि सानों के लिए निशुल्क बीज दिए और अब ग्रामीणों को निशुल्क बकरियां दी गई हैं। यह वितरण मंगलवार को मानव जीवन विकास समिति के संचालकों के सहयोग से हुआ है। जानकारी देते हुए मानव जीवन विकास समिति के ब्लॉक समन्वयक घनश्याम रैकवार ने ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर 13 परिवारों को बकरियां दी हैं। इसके पूर्व उन्होंने पशु चिकित्सा विभाग के माध्यम से मुर्गी का वितरण किया था और अब मंगलवार को उन्होंने बकरियों का वितरण किया। 13 परिवारों को दो-दो बकरियां दी गई। क्योंकि बकरी ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से बढ़ सकती हैं और उनका भरण पोषण भी कम खर्चे

बकरियां लेकर खुशी मनाते ग्रामीण।

में हो जाता है। श्री रैकवार ने बताया कि मानव जीवन विकास सामिति के निर्भय सिंह के सहयोग और परियोजना समन्वय चंद्रपाल कुशवाहा के मार्गदर्शन में 26 बकरियों का वितरण किया गया। जिन लोगों को बकरी दी गई है उनमें अंधोबाई गौंड फुलर, जुगराज गौंड फुलर, बड्डाई सेहरी, गुड्डू गौंड सेहरी, खुब्बनसिंह सेहरी, अनीता बाई बगदरी, रुकमनबाई बगदरी, तारारानी बगदरी, प्रेमसिंह गौंड पटेरियामाल, रामरानी पटेरियामाल आदि को बकरियां दी गई।

मानव जीवन विकास समिति कर रही ग्रामीणों की मदद

तेंदूखेड़ा(नईदुनिया न्यूज)। मानव जीवन विकास समिति के द्वारा लगातार क्षेत्र के किसानों की मदद की जा रही है। लॉकडाउन में क्षेत्र के किसान परेशान थे उस समय निर्भय सिंह के मार्गदर्शन में कोरोना महामारी से प्रभावित लोगों की मदद की थी। लॉकडाउन में किसानों के पास जो खेती के लिए बीज रखा था उसको खर्च कर लिया गया जिसके बाद इनके पास बोवनी के लिए भी बीज नहीं बचा था।

अभी खेती का समय है मानसून की शुरूआत हो गई है और किसान खेती के लिए तैयारियां शुरू कर रहा है, लेकिन जो लघु व सीमांत किसान है उन्हें खेती करने में समस्याएं आ रही है क्योंकि उनके पास खाद, बीज कुछ नहीं है और न ही पैसे। इस समस्या को देखते हुए मानव जीवन विकास समिति ने भारत रूरल लाइवलीहुड फाउंडेशन नई दिल्ली की मदद से बमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लॉक के 60 गांव के लघु व सीमांत किसानों की मदद करने का बीड़ा उठाया। परियोजना समन्वयक चंद्रपाल कुशवाहा ने बताया कि किसानों की मदद के लिए संस्था के द्वारा तीन प्रकार के विषयों का चयन किया था।

पहला वे किसान जिनके पास न तो बुवाई के लिए बीज है और न ही पैसे ऐसे 75 किसानों को अरहर, उड़द, मक्का व धान के बीज दिए गए। अरहर व धान श्री विधि से लगवाई जाएगी जिसकी नर्सरी डलवा दी गई है।

तेंदूखेड़ा। मानव जीवन विकास समिति के सदस्य से बीज प्राप्त करते किसान। ● **नईदुनिया**

इसके साथ ही इन सभी किसानों को खेत तैयार करने के लिए वित्तीय सहयोग भी किया जा रहा है। दूसरा ऐसे किसान जो सब्जियों और छोटे अनाज की खेती करके अपना जीवन यापन करना चाहते हैं ऐसे 450 किसानों को 12 प्रकार के सब्जियों के बीज व छोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए 100 किसानों को कोदो, ज्वार, तिल व कुटकी दी गई है। इसके साथ ही पांच गांव में सामुदायिक बीज बैंक की शुरूआत की गई है जिसका मुख्य उद्देश्य विलुप्त हो रहे देशी बीजों का संरक्षण करना और लघु व सीमांत किसानों की मदद करना।

जिन किसानों के पास बीज नहीं है वो बीज बैंक से बीज लाकर बुवाई कर रहे हैं, जब खेती पकेगी तब किसान लिया हुआ बीज वापस बीज बैंक में जमा करेंगे। इन गतिविधियों का लाभ संस्था द्वारा चयनित प्रत्येक गांव के सबसे गरीब परिवारों तक ले जाने में ब्लॉक समन्वयक घनश्याम प्रसाद रैकवार की अहम भूमिका है।

60 गांव के लघु व सीमांत किसानों की मदद करने का बीड़ा उठाया

75 किसानों को अरहर, उड़द, मक्का व धान के बीज दिए गए

450 किसानों को 12 प्रकार के सब्जियों के बीज को बढ़ावा

100 किसानों को कोदो, ज्वार, तिल व कुटकी दी गई है

मानव जीवन विकास समिति उपलब्ध करा रही बीज

तेंदूखेड़ा (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मानव जीवन विकास समिति कटनी भारत रुरल लाइवलीहुड फाउंडेशन दिल्ली के सहयोग से सीमांत, लघु किसानों के लिए बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। समिति सचिव निर्भय सिंह, परियोजना समप्वयक चंद्रपाल कुशवाहा के मार्गदर्शन से कोरोना संकट के चलते कम बारिश वाली धान, अरहर, मक्का, ज्वार, उड़द, कोदों का बीज उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। ब्लॉक तेंदूखेड़ा में परियोजना के संघन गांव में किसानों से श्री विधि अपना कर अरहर की नर्सरी लगाकर पौधारोपण किया जाएगा और देशी खाद, दवाईयों का प्रयोग किसानों के द्वारा किया जाएगा। इस कार्य के लिए पंचायत, सहायक कार्यकर्ता साथी

तेंदूखेड़ा। पॉलीथिन में बीज भरते समिति के सदस्य। ● **नईदुनिया**

ब्लॉक समप्वयक तैयारियों में लगे हुए हैं। घनश्याम प्रसाद रैकवार ने बताया कि किसान सभी संसाधन लगाने पर हमारे देश की 50 प्रतिशत खेती वर्षा आधारित रहेगी। हमारी जल उपयोग क्षमता सिर्फ 40 प्रतिशत और 30 प्रतिशत वर्षा जल का संरक्षण कर पा रहे हैं। तापमान वृद्धि के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है इस कारण औसत वर्षा व वर्षा के दिनों में कमी देखी जा रही है। अनियमित वर्षा का दौर चल रहा है। कहीं भारी वर्षा तो कहीं अवर्षा की स्थिति निर्मित होती है। वर्षा के दौरान लंबे समय तक वर्षा न होना मानसून का देर से आना और जल्दी समाप्त हो जाना आदि है। इसलिए किसानों को परंपरागत कृषि की ओर लाने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने की वनभूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग

तेंदूखेड़ा (नईदुनिया न्यूज)। जिले के तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र की केवलारी बीट में करीब 400 हेक्टेयर वनभूमि पर अतिक्रमण किया गया है। इस खबर को नईदुनिया ने बुधवार को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद गुरुवार को सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण तहसीलदार मोनिका बाघमारे को अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने पहुंचे। साथ ही तेंदूखेड़ा उपवनमंडल अधिकारी अमित चौहान को भी ज्ञापन सौंपा।

संतोष भोजराज ने बताया कि खमरिया, अजीतपुर और कच्चाऊ में रहने वाले 90 प्रतिशत लोगों के पास मवेशी हैं जो नियमित चरने के लिये जंगल जाते हैं, लेकिन लालपानी तालाब केपास वनभूमि पर दबंगों ने अतिक्रमण किया है जिससे मवेशी जंगल नहीं जा पा रहे इसलिए वहां का अतिक्रमण हटाया जाए। आशीष पाल और देवीसिंह ने बताया कि तेजगढ़ रेंज की खमखेड़ा बीट में दलपतखेड़ा

तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र की केवलारी बीट में करीब 400 हेक्टेयर वनभूमि पर अतिक्रमण, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। ● **नईदुनिया**

के पास से जंगल की जगह है। वहां पर कब्जा होने से मवेशी दलदल से गुजरते हैं जिसके कारण कई मवेशी दलदल में आज भी फंसे हैं और कई घायल हो चुके हैं। ग्रामीणों ने कई बार बीटगार्ड और सर्किल आफिसर से दलपतखेड़ा का अतिक्रमण हटाने के लिये कहा, लेकिन आज तक कोई निराकरण नहीं हुआ।

खमरिया निवासी राजकुमार यादव ने बताया कि अजीतपुर से लगी हुई वनभूमि पर दलपतखेड़ा के कई लोगों ने हरे, भरे पेड़ों को काटकर अवैध रूप से समतल जगह बनाया है और उस पर खेती शुरू कर दी है। इसके कारण खमरिया, अजीतपुर गांव के लोगों के मवेशी जंगल नहीं जा पा रहे। नीलेश यादव ने बताया कि दलपतखेड़ा तेजगढ़ वनपरिक्षेत्र की खमखेड़ा बीट में आता है और यहां जो वनभूमि पर अतिक्रमण हुआ है उसमें बीटगार्ड और सर्किल ऑफिसर की सांठगांठ है।

सबको सन्मति दे भगवान कार्यक्रम का आयोजन

तेंदूखेड़ा(नईदुनिया न्यूज)। शुक्रवार को ग्राम बमनोदा में आचार्य विनोबा भावे की 150वीं जयंती पर मानव जीवन विकास समिति कटनी, भारत रुरल लाइवलीहुड फाउंडेशन भारत सरकार दिल्ली के सहयोग से करुणा संवाद व सबको सन्मति दे भगवान कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत बमनोदा के खदरीहार में सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वनवासी, वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम के अनुसार एमपी वन मित्र पोर्टल पर अपलोड किए गए वन भूमि अमान्य दावा फार्म आदि के बारे में जानकारी देना था।

इस संबंध में परियोजना समन्वयक चंद्रपाल कुशवाहा ने भूदान अभियान के नायक आचार्य विनोबा भावे के जीवन, आदर्श के बारे में बताया। इसके साथ ही आजीविका के मुद्दे पर विचार विमर्श किया गया।

तेंदूखेड़ा। आचार्य विनोबा भावे की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण। ● **नईदुनिया**

घनश्याम प्रसाद रैकवार ने लोगों को बताया कि वनवासी आदिवासियों की आजीविका व रहना जंगल में होता है। वनवासी आदिवासी जंगल में खेती के अलावा महुआ, हर्र, बहेड़ा, आंवला, बेल, तेंदूपत्ता की रखवाली कर अपनी आजीविका चलाते हैं।

कार्यक्रम में चंदना, पलवा, हररई, जैतगढ़, कोसमवा, कोटखेड़ा, रिचकुड़ी, पटेरियामाल, सरा, माधो, सरसैलामाल, बोरिया, झलौन, बगदरी, धनगौर, जामुन, हनुमतबागो, बेवरीनिजाम, अजीतपुर, दलपतपुर, कुदपुरा, सेहरी, अहेरियामाल, बिसनाखेड़ी, ससनाखुर्द, भैंसा आदि गांव के ग्रामीणों ने भाग लिया।

जबलपुर, शनिवार 05 सितंबर, 2020

नईदुनिया सिटी

न्यूज गैलरी

किसानों को मछली के बीज का किया वितरण

बनवार। मानव जीवन विकास समिति कटनी भारत रूरल लाइवलीहुड फाउंडेशन भारत सरकार दिल्ली के सहयोग से ग्राम गाड़ाघाट में किसानों को रोजगार देने मछली के बीज का वितरण किया गया। मत्स्य निरीक्षक ऋषि ओम तिवारी, परियोजना समन्वयक चंद्रपाल कुशवाहा के मार्ग दर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर घनश्याम प्रसाद रैकवार ने कहा कि मत्स्य बीज वितरण का मुख्य उद्देश्य है कि लोगों को आजीविका से जोड़ा जाए। क्योंकि गाव में कृषि आधारित गैर कृषि आधारित कोरोना महामारी के चलते ग्रामीणों की आजीविका लड़खड़ा गई है। गांव में लोग मजदूरी को परेशान हो रहे हैं, लेकिन उन्हें मजदूरी नहीं मिल रही इसके चलते लोग पलायन कर रहे हैं। 51 हजार मछली के बच्चे 11 परिवार को वितरित कि ए गए। जिसमें 70 प्रतिशत संस्था का सहयोग 30 प्रतिशत कि सानों का सहयोग है।

दैनिक भास्कर दमोह 14-09-2020

बमनोदा में जन समस्या निवारण शिविर में 232 आवेदन आए

भास्कर संवाददाता | तेंदूखेड़ा

आचार्य विनोबा भावे की 150 वी जयंती पर मानव जीवन विकास समिति कटनी व भारत रूलर लाइवलीहुड फाउंडेशन भारत सरकार दिल्ली के सहयोग से करूणा संवाद एवं सबको सन्मति दे भगवान कार्यक्रम का आयोजन ग्राम बमनोदा में किया गया। खदरीहार में एक दिवसीय जन समस्या का कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम के तहत एमपी वन मित्र पोर्टल पर अपलोड किए गए वन भूमि अमान्य दावा फार्म व्यक्तिगत सामुदायिक के लाभार्थियों के लिए दिशा निर्देशों के अनुसार उचित कार्यवाही कही गई। परियोजना समन्वयक चन्द्रपाल कुशवाहा ने भूदान अभियान के नायक आचार्य विनोबा भावे जी के जीवन, आदर्श भू अभियानों की वंचितों तक पहुंचाया। घनश्याम प्रसाद रायकवार ने बताया कि वन में निवास करने वालो वनवासी आदिवासियों की आजीविका एवं सामुदायिक निस्तार अधिकतर जंगलों से चलते हैं, इसलिए सामुदायिक निस्तार अधिकार की भी आवश्यकता है। वनवासी आदिवासी जंगल में खेती के अलावा महुआ, हर्र, बहेरा, आंवला, बेल, तेंदूपत्ता से आजीविका चलाता है, वनवासी को जंगल जमीन का कानूनी लेने का अधिकार है। कार्यक्रम के दौरान कब्जा सत्यापन और वन भूमि दावा फार्म अपलोड अमान्य होने की लिखित में जानकारी नहीं देने की बात कही गई। जन सुनवाई में 232 आवेदन प्राप्त हुए।

विनोबा भावे जयंती पर रोपे पौधे

सत्य अहिंसा और करूणा से ही दुनिया मे शान्ति संभव - निर्भय सिंह

दैनिक मप्र/कटनी(कासं)। मानव जीवन विकास समिति व एकता परिषद् कटनी के तत्वाधान मे कटनी, मण्डला, डिण्डौरी और दमोह जिले के कई गांवों मे स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं की मदद् से महान गांधीवादी विचारक आचार्य संत विनोबा भावे जी की 125वीं जयंती मनाई गई। साथ ही बिजौरी स्थिति समिति मुख्यालय मे जड़ीबूटियों व हर्बल बनाया गया था जिसमे 16 खण्ड बनाये गये है उसमे 350 प्रकार की जड़ीबूटियां लगाई गई और आज संत विनोबा भावे जी 125वीं जयंती को यादगार बनाने के उद्धेष्य से इस हर्बल नर्सरी को आचार्य विनोबा भावे गार्डन नाम देकर याद किया गया और विनोबा जी की करूणामयी भाव को लोगों मे अपनाये जाने का प्रयास निरन्तर जारी रहेगा। लोगों को बताया गया कि सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलना होगा यह भी बताया गया कि गांधी, विनोबा, जयप्रकाश ये है अंधकार के तीन प्रकाश हमे इनके बताये रास्ते को अपनाना होगा।

भूदान अभियान के महानायक आचार्य विनोबा भावे को याद किया गया इन्होने गरीब, वंचित समुदाय को भूमि पर हक मिलना चाहिए। इस अभियान को सफल बनाने मे गांधीवादी विचारक राजगोपाल पी.व्ही (राजा जी) का विषेष योगदान है। सरकार से बातचीत और संवाद के माध्यम से वन पर आश्रित लोगों को भूमि का हकदारी दिलाने निरन्तर प्रयास जारी है, इन्ही के मार्गदषन मे एकता परिषद से जुड़े स्वयंसेवी संस्था व कार्यकर्ता काम कर रहे है। क मे कटनी से निर्भय दयाशंक कुमार तरूनेश फूलचंद आदि, दमोह से घनश्याम व टीम, मण्डला से रामकिशोर व टीम, डिण्डौरी से रामकुमार व टीम आचार्य विनोबा भावे की 125वीं जयंती समारोह मनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विनोबा भावे 125वीं जयंती पर रोपे पौधे और संवाद कर दिये करूणा के संदेश

सत्य अहिंसा और करुणा भाव से ही दुनिया में आयेगी शान्ति न की कत्ल से : निर्भय सिंह

कटनी, देशबन्धु। मानव जीवन विकास समिति व एकता परिषद् कटनी के तत्वाधान मे कटनी, मण्डला, डिण्डौरी और दमोह जिले के कई गांवों मे स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं की मदद से गांधीवादी विचारक आचार्य संत विनोबा भावे की 125वीं जयंती मनाई गई। साथ ही बिजौरी स्थिति समिति मुख्यालय मे जड़ी-बूटियों व हर्बल बनाया गया था जिसमे 16 खण्ड बनाये गये है उसमे 350 प्रकार की जड़ी-बूटियां लगाई गई और शुक्रवार को संत विनोबा भावे 125वीं जयंती को यादगार बनाने के उद्धेष्य से इस हर्बल नर्सरी को आचार्य विनोबा भावे गार्डन नाम देकर याद किया गया और विनोबाजी की करूणामयी भाव को लोगों मे अपनाये जाने का प्रयास निरन्तर जारी रहेगा। लोगों को बताया गया कि सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलना होगा यह भी बताया गया कि गांधी, विनोबा, जयप्रकाश ये है अंधकार के तीन प्रकाश हमे इनके बताये रास्ते को अपनाना होगा। भूदान अभियान के महानायक आचार्य विनोबा भावे को याद किया गया इन्होने गरीब, वंचित समुदाय को भूमि पर हक मिलना चाहिए। इस अभियान को सफल बनाने मे गांधीवादी विचारक राजगोपाल पीव्ही (राजाृजी) का विषेष योगदान है। सरकार से बातचीत और संवाद के माध्यम से वन पर आश्रित लोगों को भूमि का हकदारी दिलाने निरन्तर प्रयास जारी है, इन्ही के मार्गदषन मे एकता परिषद से जुड़े स्वयंसेवी संस्था व कार्यकर्ता काम कर रहे है। कार्यक्रम मे कटनी से निर्भय दयाशंकर अभय कुमार तरूनेश फूलचंद आदि, दमोह से घनष्याम व टीम, मण्डला से रामकिशोर व टीम, डिण्डौरी से रामकुमार व टीम आचार्य विनोबा भावे की 125वीं जयंती समारोह मनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बामनदेही में किया बोरी बंधान

तेंदूखेड़ा। नदी पर वोरी वंधान कार्य करते ग्रामीण। ● **नईदुनिया**

तेंदूखेड़ा (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कलेक्टर के निर्देश पर जिले की सभी नदियों पर वने डेम के गेट लगाए जा रहे हैं और वोरी वंधान कर पानी रोकने का प्रयास किया जा रहा है। इसी के चलते सर्रा गांव से निकली वामनदेही नदी में गुरुवार को मानव विकास समिति कटनी के द्वारा सर्रा ग्राम पंचायत अंतर्गत आने वाले वांदा गांव में नदी पर वोरी वंधान का कार्य किया गया। वोरी वंधान होने के वाद नदी के वहने वाले पानी पर रोक लग गई है। मानव जीवन विकास समिति कटनी के जिला समन्वयक घनस्याम रैकवार द्वारा वताया गया कि ग्रामीण क्षेत्र में नदियों में स्टॉप डैम नहीं है जिसके कारण नदी में भरा वारिश का पानी वह जाता है। ऐसा ही आलम वामनदेही नदी में देखने मिला जिसके वाद ग्रामीणों की मदद लेकर नदी पर वोरी वंधान का कार्य किया गया अव किसानों को सिचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा।

दैनिक भास्कर

दमोह 21-01-2021

अभियान... ग्राम जामुन में जनभागीदारी से प्रारंभ किया तालाब

तेंदूखेड़ा | एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति कटनी दमोह के मार्गदर्शन में ग्राम जामुन में तालाब गहरीकरण, गोद निकासी, मेढ बंधान का कार्य प्रारंभ जनभागीदारी से किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व विधायक प्रताप सिंह के द्वारा किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य कौशिल्या मेमार, सरपंच संगीता ठाकुर, पूर्व सरपंच प्रह्लाद यादव, घनश्याम प्रसाद रायकवार नोहटा, नरेश खटीक, खिलान सिंह, अवलेश सिंह, लाल सिंह, दीपक सिंह के अलावा ग्राम के किसान मौजूद थे।

जनभागीदारी से ग्रामीणों को मिल रहा है रोजगार

तेंदूखेड़ा (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मानव जीवन विकास समिति तेंदूखेड़ा और एकता परिषद के द्वारा जनभागीदारी से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कराए जा रहे हैं। जिससे मजदूरों को रोजगार मिल रहा है जिससे उनकी आजीविका अच्छे से चल रही है। राष्ट्रीय एकता परिषद व एकता परिषद राज्य इकाई ने ग्राम ससनाखुर्द में शनिवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि मनाई।

एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव अनीश कुमार ने कहा कि गांधी जी ऐसा व्यक्तित्व थे जिन्होंने पूरे देश को आजाद कराने के लिए निरंतर संघर्ष किया। एकता परिषद के राष्ट्रीय सदस्य निर्भय सिंह ने कहा कि गांधी जी के अहिंसात्मक संघर्षों और विचारों को लेकर चलने से ही हमारे देश का विकास संभव है। ग्राम शक्ति अभियान प्रभारी संतोष सिंह ने कहा कि भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने देश में फैली हिंसा को शांत करने और आंदोलनों से जुड़े जटिल मुद्दों को हल कराने के लिए महात्मा गांधी राम नाम का प्रयोग करते थे। एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति कटनी द्वारा ग्राम ससनाखुर्द व जामुन ग्राम पंचायत में जनभागीदारी से तालाब गहरीकरण, मेड़ बंधान का कार्य प्रारंभ है। घनश्याम प्रसाद रैकवार ने कहा कि जल, जंगल और जमीन का संरक्षण करना हम सबका कर्तव्य बनता है।

तेंदूखेड़ा। तालाब गहरीकरण का कार्य करते मजदूर। ● नईदुनिया

ग्रामीण विकास मंत्री को सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। मंत्री को ज्ञापन सौंपते संस्था के सदस्य। ● नईदुनिया

तेंदूखेड़ा (नप्र)। मानव जीवन विकास समिति भारत रूरल लाइवली हुड फाउंडेशन भारत सरकार दिल्ली की परियोजना के अंतर्गत भोपाल के गांधी भवन वन अधिकार अधिनियम 2006 व आजीविका को लेकर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण विकास मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया भी शामिल हुए। इस दौरान वन भूमि दावा फार्मों पर कार्रवाई के लिए एक ज्ञापन सौंपा गया। इस कार्यक्रम में एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रनसिंह परमार, एकता परिषद की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रद्धा, महासचिव अनीश कुमार, एकता फाउंडेशन ट्रस्ट के सचिव जितेंद्र, मप्र जन अभियान परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. अजय शंकर मेहता के अलावा अन्य लोगों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम प्रसाद रैकवार ने किया। मानव जीवन विकास समिति तेंदूखेड़ा ब्लॉक के समन्वयक घनश्याम रैकवार ने बताया कि राष्ट्रीय परियोजना की कार्यशाला पहले दिल्ली में आयोजित होनी थी, लेकिन कोरोना काल के चलते इसका आयोजन भोपाल में किया गया। जिसमें ग्रामीण विकास मंत्री ज्ञापन देते हुए निरस्त दावा फार्म को पुनः वन मित्र पोर्टल पर दर्ज करने की मांग की है।

कार्यशाला का आयोजन मानव जीवन विकास समिति द्वारा आज

तेन्दूखेड़ा। (नव प्रदेश)

मानव जीवन विकास समिति कटनी दमोह पिछले 20 वर्षों से समुदाय के उत्थान हेतु प्रयासरत है वर्तमान में दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लाक के 60 ग्रामों भारत रूरल लाइवली हुड फाउंडेशन भारत सरकार दिल्ली के सहयोग से आजीविका कार्यक्रम का संचालन कर रही है जिसमें मृदा एवं जल संरक्षण (जैविक) परम्परागत कृषि को बढ़ावा के साथ महिला शासक्तीकरण सरकारी योजनाओं को जन जन तक पहुँचाने का प्रयास आजीविका संवर्धन एवं वन अधिकार अधिनियम पर जागरूकता आदि गतिविधियां शामिल है।

खंड.दमोह

कार्यशाला में योजनाओं की जानकारी दी गई

दमोह | कृषि विज्ञान केंद्र में मानव विकास समिति कटनी द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह समिति पिछले 20 वर्षों से समुदाय के उत्थान के लिए प्रयासरत है वर्तमान में दमोह जिले की तेंदूखेड़ा ब्लॉक के 60 ग्रामों में भारत रूरल लवलीहुड फाउंडेशन भारत सरकार दिल्ली के सहयोग से आजीविका कार्यक्रम का संचालन कर रही है। जिसमें मृदा एवं जल संरक्षण जैविक परंपरागत कृषि को बढ़ावा के साथ महिला सशक्तिकरण सरकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। आजीविका संवर्धन एवं वन अधिकार कानून अधिनियम 2006-07 एवं 2008 संशोधित अधिनियम 2012 जन जागरूकता कार्यक्रम आदि गतिविधियां शामिल हैं। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संस्था द्वारा विज्ञान केंद्र में सरकारी विभागों के साथ जिला स्तरीय कनवरजेंस कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यक्षता नरेंद्र दुबे एवं निर्भय सिंह ने की। जन अभियान परिषद जिला समन्वयक संदीप गौहर, शीतेश जैन, करुणा खरे आदि मौजूद थे।

कनवरजेन्स कार्यशाला का हुआ आयोजन

दमोह (आरएनएन)।

मानव विकास समिति द्वारा गुरूवार को विज्ञान केन्द्र में सरकारी विभागों के साथ जिला स्तरीय कनवरजेन्स कार्यशाला का आयोजन किया गया है जिसमें मृदा एवं जल संरक्षण (जैविक) परंपरागत कृषि को बढ़ावा तथा महिला सशक्तिकरण योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के का प्रयास किया। अध्यक्षता नरेंद्र दुबे, निर्भय सिंह ने की। इस मौके पर जन अभियान परिषद जिला समन्वयक संदीप गौहर, शीतेश जैन,करुणा खरे, अरुण श्रीवास्तव, राजेश, चंद्रपाल कुशवाहा, नरेश खटीक आदि की उपस्थिति रही। संचालन धनश्याम प्रसाद रायकवार व आभार खिलान सिंह गौड़ ने माना।

जनभागीदारी से ग्रामीणों को मिल रहा है रोजगार

तेंदूखेड़ा (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मानव जीवन विकास समिति तेंदूखेड़ा और एकता परिषद के द्वारा जनभागीदारी से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कराए जा रहे हैं। जिससे मजदूरो को रोजगार मिल रहा है जिससे उनकी आजीविका अच्छे से चल रही है। राष्ट्रीय एकता परिषद व एकता परिषद राज्य इकाई ने ग्राम ससनाखुर्द में शनिवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि मनाई।

एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव अनीश कुमार ने कहा कि गांधी जी ऐसा व्यक्तित्व थे जिन्होंने पूरे देश को आजाद कराने के लिए निरंतर संघर्ष किया। एकता परिषद के राष्ट्रीय सदस्य निर्भय सिंह ने कहा किगांधी जी केअहिंसात्मक संघर्षों और विचारों को लेकर चलने से ही हमारे देश का विकास संभव है। श्रम शक्ति अभियान प्रभारी संतोष सिंह ने कहा कि भारत को अंग्रेजो से मुक्त कराने देश में फैली हिंसा को शांत करने और आंदोलनों से जुड़े जटिल मुद्दों को हल कराने के लिए महात्मा गांधी राम नाम का प्रयोग करते थे। एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति कटनी द्वारा ग्राम ससनाखुर्द व जामुन ग्राम पंचायत में जनभागेदारी से तालाव गहरीकरण, मेढ़ बंधान का कार्य प्रारंभ है। घनश्याम प्रसाद रैंकवार ने कहा कि जल, जंगल और जमीन का संरक्षण करना हम सबका कर्तव्य बनता है।

तेंदूखेड़ा। तालाव गहरीकरण का कार्य करते मजदूर। ● **नईदुनिया**

श्रम शक्ति यात्रा पहुंची जामुन और ससनाखुर्द

एकता परिषद ने 100 परिवारों को इकट्ठा कर पुराने तालाब का किया गहरीकरण

पीपुल्स संवाददाता ● दमोह

मो.नं. 8305364900

पूरे प्रदेश में श्रम शक्ति अभियान को एक नया रूप देने वाली एकता परिषद की श्रम शक्ति यात्रा तेदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत जामुन, ससनाखुर्द, बमनोदा गांव पहुचीं। इस एकता परिषद श्रम शक्ति यात्रा की शुरुआत 27 फरवरी को सिवनी जिले के मोहगांव से हुई थी। जहां से एकता परिषद के सदस्य 3 मार्च 2021 को यह यात्रा तेंदूखेड़ा ब्लॉक के जामुन, ससनाखुर्द, बमनोदा गांव पहुंचीं।

इस यात्रा में एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रन सिंह परमार, परिषद के राष्ट्रीय महासचिव अनीश, मप्र राज्य संयोजक डोंगर शर्मा, श्रम शक्ति अभियान के संयोजक संतोष सिंह, राष्ट्रीय सदस्य निर्भय सिंह ने जामुन गांव के 100 परिवारों को इकट्ठा करके पुराने तालाब का गहरीकरण किया। जिससे दिनों दिन बढ़ते जलसंकट की समस्या से ग्रामीणों को निजात मिल सके। साथ ही जलसंरक्षण के लिए कई दिनों तक काम करके एक बड़े तालाब को गहरा कर नई पहल की। यह यात्रा राज्य के कई हिस्सों से गुजरी। यह यात्रा श्रम शक्ति अभियान का संदेश गांव-गांव तक ले जाने काम कर रही है। इसी क्रम में यह यात्रा जामुन गांव पहुंचीं, जहां मुखिया ने तहे दिल से सभी का स्वागत किया। एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रन सिंह परमार ने बताया कि तालाब का ऐतिहासिक काम हुआ है। आने वाली पीढ़ियां। इस पवित्र काम को याद रखेंगी। जिस दिन पानी भरेगा उस दिन खेत में अधिकार और हमारे विकास का अध्याय शुरुआत होगी। इसी क्रम ने बारी-बारी से सभी ने अपने-अपने विचार-विमर्श किए। एकता परिषद के संस्थापक राजगोपाल पीवी राजा ने बताया कि परिकल्पना कर श्रम आधारित समाज के महत्व को आगे बढ़ाने की शुरुआत कर वंचितों के भूमि अधिकार को रचनात्मक कार्य से अजीविका खड़ी करने का प्रयास कर रहे हैं। इस बैठक में अनीश भाई, निर्भय सिंह डोंगर समां, संतोष सिंह, घनश्याम भाई, चंद्रपाल, नरेश भाई, संतोष भारती जी एवं सैकड़ों मुखिया साथियों ने भाग लिया। जल -जंगल जमीन के विकास में गांव गांव तक सैकड़ों तालाब, कुआं, नाला बंधान, सिंचाई वाली नाली निर्माण, बाबड़ी की सफाई आदि का काम पहले चरण में किया जा रहा।

दैनिक भास्कर **दमोह** 04-03-2021

दमोह

अनदेखी• अधिकारियों ने दिया था गांव में जलसंकट की समस्या हल करने का आश्वासन

किसी ने ध्यान नहीं दिया तो आदिवासियों ने प्यास बुझाने के लिए छेड़ दी तालाब खोदने की मुहिम

100 महिला, पुरुष और बच्चों ने किया गहरीकरण

भास्कर संवाददाता | दमोह/ तेंदूखेड़ा

दमोह। जिला मुख्यालय से 100 किमी दूरी तेंदूखेड़ा ब्लाक के ग्राम जामुन में गंभीर जलसंकट के बीच शासन की अनदेखी को देखते हुए आदिवासियों ने अपनी प्यास बुझाने स्वयं तालाब खोदने में जुट गए हैं। पिछले एक माह से 100 से ज्यादा आदिवासी महिला, पुरुष और बच्चे तालाब को खोदने में लगे हैं। उनकी मेहनत भी रंग ला रही है। तालाब में अच्छा खासा पानी निकल आया है और आसपास पानी का स्टॉक किया जा सके, इसके लिए ग्रामीण आदिवासी तालाब की बांध मजबूत करने में लगे हैं।

ग्राम के सरपंच डेलन सिंह ने बताया कि जामुन में पहले अंग्रेजों के समय में एक चौपरा बना हुआ था। जिसमें दो से ढ़ाई फिट की गहराई में पानी था, बस्ती से करीब आधा किमी दूर अकेले इस चौपरा में ही पानी है और आसपास भीषण जलसंकट देखने को मिलता है। चौपरा में जलस्तर को देखते हुए ग्रामीणों ने तय किया कि उसके आसपास तालाब बनाया जाए, ताकि ग्रामीणों को गर्मी में जलसंकट से मुक्ति मिल सके। इसलिए आदिवासी एकता परिषद के बैनर तले श्रमदान करके तालाब बनाने में जुटे हैं। यह तालाब करीब 150 मीटर लंबा और चौड़ा है। सरपंच ने बताया कि जलसंकट से निपटने के लिए ग्रामीणों ने मिलकर यहां पर सामूहिक प्रयास करके बड़ा तालाब बनाने का निर्णय लिया और एकजुट होकर तालाब खोदने में जुट गए।

आदिवासी यहां पर एक दो घंटा काम कर रहे हैं और उनकी मेहनत भी रंग ला रही है। गर्मी में जलसंकट से मुक्ति पाने के लिए यहां पर तालाब तैयार हो गया है। ग्रामीणों के मुताबिक अभी एक किमी दूर से पानी लाया जा रहा है।

गांव में जामुन और पिंडरई के बीच एक कुआं है, जिसमें थोड़ा पानी है और इस पानी से ही ग्रामीण अपनी प्यास बुझा रहे हैं। यहां बता दें कि जामुन में दो से तीन फीट पत्थर की खुदाई करने के बाद पानी निकल आता है। इसलिए ग्रामीण तालाब में खुदाई पर जोर दे रहे हैं। यहां की जनसंख्या एक हजार है और यहां पर प्यास बुझाने के लिए 5 हैंडपंप और एक बोर है, लेकिन उनमें से किसी में भी पानी नहीं है।

आदिवासी नेता तखत सिंह आदिवासी ने बताया कि जामुन में कई सालों से जलसंकट है, यहां पर जबेरा विधायक धर्मेंद्र लोधी और जिला पंचायत सीईओ भी आ चुके हैं, सभी ने अपनी-अपनी बात रखी और मदद का आश्वासन दिया, लेकिन जब कोई सामने नहीं आया तो उन्होंने स्वयं ही तालाब खोदने का निर्णय ले लिया। बुधवार को एकता परिषद के धन सिंह, संतोष भारती और धनश्याम आदिवासी पहुंचे और वहां पर उन्होंने आदिवासियों का हौसला बढ़ाया।

दमोह | तेंदूखेड़ा ब्लाक के जामुन में आदिवासियों ने जलसंकट से निपटने के लिए तालाब का गहरीकरण करने की पहल की है।

श्रम शक्ति यात्रा पहुंची जिला दमोह जिले तेदूखेडा

जमुन एबं ससनाखुर्द के लोगों ने श्रमदान करके रचा इतिहास किया जलसंरक्षण

मनोहर शर्मा

दमोह: एकता परिषद की श्रम शक्ति यात्रा यात्रा 27 फरवरी को सिवनी जिले के मोहगांव से सुरू होकर आज 3 मार्च पांचवें दिन दमोह जिले के तेंदूखेडा ब्लाक के जामुन ग्राम पंचायत जामुन, ससनाखुर्द, बमनोदा गांव यात्रा पहुंचने पर एकता परिषद के राष्टीय अध्यक्ष रनसिह जी परमार, परिषद के राष्टीय महांसचिव अनीश भाई, मध्य प्रदेश के राज्य संयोजक डोंगर शर्मा जी, श्रम शक्ति अभियान के संयोजक संतोष सिंह, राष्टीय सदस्य निर्भँय सिंह जी ने जामुन गांव में 100 परिवारों ने तालाब गहरी में जल संरक्षण के लिए कई दिनो तक काम करके एक बडे तालाब को गहरा कर इतिहास रचने वाले लोगो की खूब प्रसंसा की ज्ञात हो कि यात्रा मध्य प्रदेश के कई हिस्सों से गुजरते हुए 15 जिलो तक श्रम शक्ति अभियान का संदेश गांव गांव तक पहुंचाने का काम कर रही है जामुन गांव मे यात्रा का मुखियाओं ने आत्मता से स्वागत किया।

एकता परिषद के राष्टीय अध्यक्ष श्री रनसिह जी परमार ने कहा तालाब का ऐतिहासिक काम हुआ है आने वाली पीढियां इस पवित्र काम को याद रखेंगी। जिस दिन पानी भरेगा उस दिन खेत मे अधिकार और हमारे विकास का अध्याय शुरू होगा। तालाब बनाने का जो प्रयास आप लोगो द्वारा किया है सराहनीय है एकता परिषद के संस्थापक आदरणीय राजगोपाल पीव्ही राजा जी ने परिकल्पना श्रम आधारित समाज के महत्व को आगे बढ़ाने की सुरुआत कर बंचितों के भूमि अधिकार को रचनात्मक कार्य से अजीविका खडी करने का प्रयासों को धरातल पर कर दिखाया है बैठक को अनीश भाई, निर्भय सिंह डोंगर शर्मा संतोष सिंह, घनश्याम भाई, चंदृपाल जी, नरेश भाई, संतोष भारती जी एवं सैकड़ों मुखिया साथियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है जल जंगल जमीन के विकास में गांव गांव तक सैकडो तालाब, कुआं, नाला बंधान, सिंचाई वाली नाली निर्मॉण, वावडी की सफाई आदि का काम पहले चरण में किया जा रहा है। अभियान सतत गतिशीलता प्रदान करने के लिए अगली कार्यनीति ब्यापक स्तर बनाकर जन संवाद करते हुए जिला एवं, राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित करना प्रस्तावित है यात्रा के पांचवें दिन जामुन, ससना खुदँ, वमनोदा, तेंदूखेडा, जिला दमोह मे यात्रा के साथियों ने संगठन बैठक में सभी का उत्साह वर्धन किया। वमनोदा खदरी हार मे श्रम शक्ति जल सम्मेलन का आयोजन किया गया। यात्रा, दमोह से सागर होते हुए आगे भोपाल की ओर बढेगी।

तेंदूखेड़ा ब्लाक में पहुंची एकता परिषद की श्रम शक्ति यात्रा, ग्रामीणों ने किया स्वागत

संकट से मुक्ति का प्रयास ● जामुन गांव में किया गया तालाब का गहरीकरण

तेंदूखेड़ा (नईदुनिया न्यूज)। एकता परिषद की श्रम शक्ति यात्रा जिले के तेंदूखेड़ा ब्लाक पहुंची जहां ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया। तेंदूखेड़ा की ग्राम पंचायत जामुन, ससनाखुर्द, बमनोदा गांव में श्रम यात्रा पहुंची यहां एकता परिषद की एक इकाई मानव जीवन विकास समिति पहले से ही ब्लाक के कई गांव में काम कर रही है। श्रम शक्ति यात्रा 27 फरवरी को सिवनी जिले के मोहगांव से शुरु होकर दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लाक के गांव में पहुंची थी।

जिसमें एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रनसिंह परमार, परिषद केराष्ट्रीय महासचिव अनीश भाई, राज्य संयोजक डोंगर शर्मा, श्रम शक्ति अभियान के संयोजक संतोष सिंह, राष्ट्रीय सदस्य निर्भय सिंह शामिल हैं। पदाधिकारियों ने जामुन गांव के लोगों से कहा कि आपके गांव में पानी की कमी थी, लेकिन गांव के 100 परिवारों ने तालाब गहरी करण किया और जल संरक्षण के लिए कई दिनों तक काम करके एक बडे तालाब को गहरा कर इतिहास रच दिया। एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रनसिंह ने कहा तालाब का एतिहासिक काम हुआ है आने वाली पीढ़ियां इस पवित्र काम को याद रखेंगी।

जिस दिन पानी भरेगा उस दिन सूखे खेतों में भी हरियाली दिखेगी और हमारे विकास का अध्याय शुरु हेगा। ग्रामीणों ने एकता परिषद और मानव जीवन विकास समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त भी किया जिनके सहयोग से जामुन गांव में तालाब का गहरीकरण हुआ है। उन्होंने बताया कि एकता परिषद के संस्थापक राजगोपाल पीव्ही ने इसकी परिकल्पना कर श्रम आधारित समाज के महत्व को आगे बढ़ाने की शुरुआत कर वंचितों के भूमि अधिकार को रचनात्मक कार्य से आजीविका खड़ी करने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान अनीश भाई, निर्भय सिंह, डोंगर शर्मा भी मौजूद रहे। श्रम यात्रा के संबंध में मानव जीवन विकास समिति के समन्वयक घनश्याम रैंकवार ने बताया कि बैठक में संतोष सिंह, घनश्याम भाई, चंद्रपाल, नरेश, संतोष भारती व सैकड़ों मुखिया साथियों ने भाग लिया सभी ने काम की सराहना करते हुए बधाई दी।

जल जंगल जमीन के विकास में गांव- गांव तक सैकड़ों तालाब, कुआं, नाला बंधान, सिंचाई वाली नाली निर्माण, बावड़ी की सफाई का काम पहले चरण में किया जा रहा है। अभियान को सतत संचालित रखने के लिए अगली कार्यनीति व्यापक स्तर पर जन संवाद कर जिला व राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर किया जाना प्रस्तावित है।

तेंदूखेड़ा। ग्रामीणों के साथ मौजूद एकता परिषद के पदाधिकारी। ● **नईदुनिया**

र्च, 2021

दमोह आसपास

तेंदूखेड़ा ब्लाक में पहुंची एकता परिषद की श्रम शक्ति यात्रा, ग्रामीणों ने किया स्वागत

संकट से मुक्ति का प्रयास ● जामुन गांव में किया गया तालाब का गहरीकरण

तेंदूखेड़ा (नईदुनिया न्यूज)। एकता परिषद की श्रम शक्ति यात्रा जिले के तेंदूखेड़ा ब्लाक पहुंची जहां ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया। तेंदूखेड़ा की ग्राम पंचायत जामुन, ससनाखुर्द, बमनोदा गांव में श्रम यात्रा पहुंची यहां एकता परिषद की एक इकाई मानव जीवन विकास समिति पहले से ही ब्लाक के कई गांव में काम कर रही है। श्रम शक्ति यात्रा 27 फरवरी को सिवनी जिले के मोहगांव से शुरु होकर दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लाक के गांव में पहुंची थी।

जिसमें एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रनसिंह परमार, परिषद केराष्ट्रीय महासचिव अनीश भाई, राज्य संयोजक डोंगर शर्मा, श्रम शक्ति अभियान के संयोजक संतोष सिंह, राष्ट्रीय सदस्य निर्भय सिंह शामिल हैं। पदाधिकारियों ने जामुन गांव के लोगों से कहा कि आपके गांव में पानी की कमी थी, लेकिन गांव के 100 परिवारों ने तालाब गहरी करण किया और जल संरक्षण के लिए कई दिनों तक काम करके एक बडे तालाब को गहरा कर इतिहास रच दिया। एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रनसिंह ने कहा तालाब का एतिहासिक काम हुआ है आने वाली पीढ़ियां इस पवित्र काम को याद रखेंगी।

जिस दिन पानी भरेगा उस दिन सूखे खेतों में भी हरियाली दिखेगी और हमारे विकास का अध्याय शुरु हेगा। ग्रामीणों ने एकता परिषद और मानव जीवन विकास समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त भी किया जिनके सहयोग से जामुन गांव में तालाब का गहरीकरण हुआ है। उन्होंने बताया कि एकता परिषद के संस्थापक राजगोपाल पीव्ही ने इसकी परिकल्पना कर श्रम आधारित समाज के महत्व को आगे बढ़ाने की शुरुआत कर वंचितों के भूमि अधिकार को रचनात्मक कार्य से आजीविका खड़ी करने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान अनीश भाई, निर्भय सिंह, डोंगर शर्मा भी मौजूद रहे। श्रम यात्रा के संबंध में मानव जीवन विकास समिति के समन्वयक घनश्याम रैंकवार ने बताया कि बैठक में संतोष सिंह, घनश्याम भाई, चंद्रपाल, नरेश, संतोष भारती व सैकड़ों मुखिया साथियों ने भाग लिया सभी ने काम की सराहना करते हुए बधाई दी।

जल जंगल जमीन के विकास में गांव- गांव तक सैकड़ों तालाब, कुआं, नाला बंधान, सिंचाई वाली नाली निर्माण, बावड़ी की सफाई का काम पहले चरण में किया जा रहा है। अभियान को सतत संचालित रखने के लिए अगली कार्यनीति व्यापक स्तर पर जन संवाद कर जिला व राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर किया जाना प्रस्तावित है।

तेंदूखेड़ा। ग्रामीणों के साथ मौजूद एकता परिषद के पदाधिकारी। ● **नईदुनिया**

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस ग्राम तिपनी में मनाया गया

दमोह: मानव जीवन विकास समिति कटनी भारत रूरल लाइवली हुड फाउंडेशन दिल्ली द्वारा जिला दमोह के ब्लाक तेदूखेडा के ग्राम तिपनी में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया कार्यक्रम का उद्देश्य महिला अधिकारों के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए श्री मति बिमला बहिन ने कहा कि पुरूष सत्ता के चलते महिलाओं को पैत्रिक सम्पति में महिलाओं को अधिकार नहीं दिये जाते थे जबकि पुत्र के लिए चल अचल संपत्ति का अधिकार दिया जाता महिलाए घर के कार्यों में अधिक काम करती है लेकिन उनके काम को कम आंका जाता है पुत्र को घूमने फिरने की खुली आजादी है बेटियों को घूमने खेलने से रोका

जाता है श्री मति मिलन धुर्वे ने कहा कि देवी हूँ न दासी हूँ, मै तो तेरी साथी हूँ फिर महिलाओं के साथ भेदभाव क्यों होता है चाहें पिता के घर हो या पति के घर हम सब बहनों जागृत होने के साथ शिक्षित होने की आवश्यकता है बच्चों को शिक्षित करो मानव जीवन विकास समिति कटनी दमोह ब्लाक समनब्यक घनश्याम प्रसाद रायकवार नोहटा ने कहा कि महिलाओं के द्वारा गांवो में कोरोना काल के समय हिम्मत से कार्य किया ओर परिवार की आजीविका खड़ी कृषि आधारित गैर कृषि आधारित महिलाऐं ग्रामों में जैविक खाद दवाई बनाकर किसानों के लिए उपलब्ध करा रहीं हैं!

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस ग्राम तिपनी में मनाया गया

लोकोत्तर समाचार सेवा ■ दमोह
www.elokottar.in

मानव जीवन विकास समिति कटनी भारत रूरल लाइवली हुड फाउंडेशन दिल्ली द्वारा जिला दमोह के ब्लाक तेदूखेडा के ग्राम तिपनी में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया कार्यक्रम का उद्देश्य महिला अधिकारों के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए श्री मति बिमला बहिन ने कहा कि पुरूष सत्ता के चलते महिलाओं को पैत्रिक सम्पति में महिलाओं को अधिकार नहीं दिये जाते थे जबकि पुत्र के लिए चल अचल संपत्ति का अधिकार दिया जाता।

महिलाए घर के कार्यों में अधिक काम करती है लेकिन उनके काम को कम आंका जाता है पुत्र को घूमने फिरने की खुली आजादी है बेटियों को घूमने खेलने से रोका जाता है श्री मति मिलन धुर्वे ने कहा कि देवी हूँ न दासी हूँ, मै तो तेरी साथी हूँ फिर महिलाओं के साथ भेदभाव क्यों होता है चाहें पिता के घर हो या पति के घर हम सब बहनों जागृत होने के साथ शिक्षित होने की आवश्यकता है बच्चों को शिक्षित करो मानव जीवन विकास समिति कटनी दमोह ब्लाक समनब्यक घनश्याम प्रसाद रायकवार नोहटा ने कहा कि महिलाओं के द्वारा गांवो में कोरोना काल के समय हिम्मत से कार्य किया ओर परिवार की आजीविका खड़ी कृषि आधारित गैर कृषि आधारित महिलाऐं ग्रामों में जैविक खाद दवाई बनाकर किसानों के लिए उपलब्ध करा रहीं हैं।

ttar.in भोपाल, शनिवार 20 मार्च 2021 6

खेतों में आई खड़ी फसलों पर बेमौसम बारिश का सितम!

लोकोत्तर समाचार सेवा ■ तेजगढ़/दमोह
www.elokottar.in

तेजगढ़ क्षेत्र में गुरुवार की रात्रि 7 बजे हुई तेज बारिश किसानों के लिए आफत सिद्ध हो गई है।आफत भी इश्लिए क्योंकि खेतों में आई खड़ी गेंहू की फसल व कटाई के बाद खेतो में पड़ी चने की फसल पर वे मौषम वारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरते दिया है जिससे किसानों की फसलो को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस बार चने की फसलो की स्तिथि उम्मीदों के मुताविक अच्छी नही थी लेकिन किसान गेहूं की फसले अच्छी आने की उम्मीद लगाए बैठा था।लेकिन गेंहू व चने की फसल खेत में कटने को खड़ी है तो कही कही कटाई शुरू है इस स्तिथि में हुई बेमौसम बारिश के कारण फसले खराब हो गई।

बेमौसम बारिश तेजगढ़ हर्रई पतलोनी समदई,कंसा,साँगा, केवलारी, हिनोति,माडनखेड़ा, पिपरिया सुनवाई,छिरकोना, करौंदी पड़रिया,दिनारी, देवरी लीला धर, आदि ग्रामो में कही तेज तो कहि ज्यादा बारिश हुई और कुदरत के इस कहर ने किसानों की फसलो को क्षति पहुंचाई है किसान मनोज साहू ने बताया कि तेज हवा वारिश के चलते गेहू खड़ी फसल जमीन में विछः गई है।चना की पकी खड़ी फसल घेटी को भी झर गई है ,भूपत,सिंह,हर्रई, राजा यादव,समदई,आशीष अहिरवार, हर्रई, भूरा,आदिवासी, हर्रई, किसानों ने बताया कि की बेमौसम बारिश इसी तरह होती रही तो किसानों भारी तबाही होने का डर सता रहा है इस कारण किसान चिंतित हो गया है, वेमोसम वारिस से कही किसानों की दलहन की फसलों में चना,, आदि की फसले पानी के कारण खतब गई हैं। कुछ दलहन की फसलें बची हुई थी उस पर वेमोसम बारिश का खतरा बना हुआ है अधिकतर गेहूं की फसल पकी खड़ी खेतों चना की फसल में कटी पड़ी है किसान गुड्डा आदिवासी कछार, मंगल सिंह चौरई ने बताया कि अधिकतर गेंहू की फसलें पक चुकी हैं वेमोसम वारिस से गेहूं की बालों में पानी भरने से दाना काला पड़ जाएगा और जो फसल गिर गई है उसका दाना पतला हो जाएगा जिससे हम गेहूं को समर्थन मूल्य केंद्रों पर भी नहीं बेच पाएंगे और मजबूरी में व्यापारियों को बेचना पड़ेगी जो ओने-पोने दामों में खरीदेंगे। आसमान से वेमोसम वारिस का पानी नहीं कहर बरस रहा है। जिस कारण किसान बर्बादी की कगार पर खड़ा है।

दैनिक भास्कर BhaskarHindi.com 6/14

आयुष्मान कार्ड बांटे

तेंदूखेड़ा। ब्लॉक की ग्राम पंचायत कोटखेड़ा में शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए है। जिसे पाकर हितग्राही खुश नजर आए। डिस्ट्रिक्ट मैनेजर संदीप जैन ने बताया कि शासन के निर्देश पर लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। जिससे बीमारी के समय उन्हें इलाज कराने सुविधा मिल सके। इस तारतम्य में कोटखेड़ा में लगभग 200 आयुष्मान कार्ड बनाकर वितरित किए गए है।